Literacy for a Billion

Movie: Gadar Ek Prem Katha
Year: 2001

Song: Musafir janewale
Lyricist: Anand Bakshi

ऊँ...
हूँ...
हो...ओ...
हो...ओ...
मुसाफ़िर जानेवाले
मुसाफ़िर जानेवाले
नहीं फिर आनेवाले
चलो इक दूसरे को
करें रब दे हवाले
मुसाफ़िर जानेवाले
नहीं फिर आनेवाले
चलो इक दूसरे को
करें रब दे हवाले
ओ...
आ...
बड़ी मुश्किल से
दिल में अपने
बड़ी मुश्किल से
दिल में अपने
लोग बसाते है
कुछ सपने
ये सपने शीशे के खिलौने
टूट के बस लगते हैं रोने
दिलों पे छा जाते हैं
ये बादल काले काले
चलो इक दूसरे को
करें रब दे हवाले
मुसाफ़िर जानेवाले
नहीं फिर आनेवाले

चलो इक दूसरे को
करें रब दे हवाले

ओ...
ओ दरिया दे पानीया
ये मोजा फिर नहीं आणीया
ओ दरिया दे पानीया
ये मोजा फिर नहीं आणीया
याद आएँगी
ओ याद आएँगी
बस जानेवालों की कहानियाँ
दरिया दे पानीया
ये मोजा फिर नहीं आणीया
ओ... दरिया दे पानीया
ये मोजा फिर नहीं आणीया
ओ...
आ हा हा...
ना जाने क्या
छुट रहा है
ओ... ना जाने क्या
छुट रहा है
दिल में बस
कुछ टूट रहा है
होंठों पर नहीं कोई कहानी
फिर भी आँख में
आ गया पानी
नहीं हम भूलने वाले
नहीं तुम भूलने वाले
चलो इक दूसरे को

करें रब दे हवाले
मुसाफ़िर जानेवाले
नहीं फिर आनेवाले
चलो इक दूसरे को
करें रब द हवाले

मुसाफ़िर जानेवाले

नहीं फिर आनेवाले
चलो इक दूसरे को
करें रब दे हवालें

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.